DR. C.V. RAMAN UNIVERSITY
Accredited with B+ Grade by NAAC
Kargi Road, Kota, Dist.-Bilaspur (C.G.)
Ph. : 07753-253 801 Fax : 07753-253728
e-mail : info@cvru.ac.in, visit us at : www.cvru.ac.in

क्र.382 / कु.स. / सी.वी.आर.यू. / 2018

बिलासपुर, दिनांक : 12.02.18

प्रति,

अध्यक्ष महोदय,
छत्तीसगढ़ निजि विश्वविद्यालय विनियामक आयोग,
छत्तीसगढ़ शासन,
रायपुर (छ.ग.)

विषय :– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय का माह जनवरी – 2018 का मासिक प्रगति प्रतिवेदन।

आदरणीय महोदय,

उपरोक्त विषयांतर्गत, डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय द्वारा माह जनवरी – 2018 का मासिक प्रतिवेदन प्रेषित किया जा रहा है।

सादर,

कुलसचिव

Bhopal Office : SCOPE Campus, NH-12, Near Misrod, Hoshangabad Road, BHOPAL - 47
Ph.: +91-755-2499657, 3293214-15-16-72, 3207080 Fax : +91-755-2429096

डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय

करगीरोड कोटा, बिलासपुर (छ.ग.)

मासिक प्रगति पत्रक

माह :– जनवरी – 2018

01	विश्वविद्यालय का नाम एवं स्थापना वर्ष।	डॉ. सी. वी. रामन् वि. वि., स्थापना वर्ष नवम्बर 2006,
02	विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की जानकारी।	फैकल्टी ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नालॉजी बी. ई. (कम्प्यूटर साईंस) बी. ई. (इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी) बी. ई. (इलेक्ट्रानिक्स एंड कम्यूनिकेशन) बी. ई. (इलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स) बी. ई. (मेकनिकल) बी. ई. (सिविल) फैकल्टी ऑफ एजुकेशन बैचलर ऑफ एजुकेशन (बी. एड.) मास्टर ऑफ एजुकेशन (एम. एड.) मास्टर ऑफ फिलॉसॉफी (विभिन्न पाठ्यक्रमों में संचालित) फैकल्टी ऑफ कॉमर्स (बी. काम.) (एम. काम.) (एम.बी.ए.) फैकल्टी ऑफ इन्फार्मेशन टेक्नालॉजी एम एस सी (आई. टी.) (मास्टर ऑफ इन्फारमेशन टेक्नोलॉजी) पीजीडीसीए (पोस्ट ग्रेज्युएट डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) बी.सी.ए. (बैचलर ऑफ कम्प्यूटर एप्लीकेशन) डी.सी.ए. (डिप्लोमा इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन) फैकल्टी ऑफ आर्ट्स बी. ए. (बैचलर ऑफ आर्ट्स) एम. ए. (मास्टर ऑफ आर्ट्स) फैकल्टी ऑफ साईंस फैकल्टी ऑफ लॉ शोध पाठ्यक्रम दूरवर्ती शिक्षा के पाठ्यक्रम

03	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है? यदि हां, तो तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति।	हॉ, विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिये संबंधित विनियामक इकाईयों के द्वारा सक्षम अनुमति प्राप्त कर ली गई है। तत्संबंधी आदेश की छायाप्रति पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
04	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं (भवन, प्रयोगशाला, ग्रंथालय, खेल मैदान, फर्नीचर, उपकरण एवं अन्य सुविधायें।)	विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें पर्याप्त है।
05	क्या विश्वविद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें संचालित पाठ्यक्रमों के अनुरूप हैं?	उपलब्ध मूलभूत सुविधाएं, पाठ्यक्रमों के अनुरूप है। नए उपकरणों का क्रय किया जा चुका है। नया फर्नीचर एवं लाईब्रेरी के लिये पुस्तकों इत्यादि का क्रय भी किया जा चुका है।
06	विश्वविद्यालय में कार्यरत् अधिकारियों की जानकारी।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमें शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है।
07	विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षक।	विश्वविद्यालय में 24 विभाग संचालित है, जिसमे शिक्षक एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति नियमानुसार मापदण्डों के आधार पर एवं योग्यता के अनुरूप की जाती है। विभाग में छात्र–छात्राओं की संख्या के आधार पर शिक्षकों एवं गैर शिक्षण स्टाफ की नियुक्ति की गई है।
08	क्या विश्वविद्यालय में कार्यरत् शिक्षकों की योग्यता एवं अनुभव निर्धारित मापदंडों के अनुरूप है?	शिक्षकों की नियुक्ति नियमानुसार की गई है एवं मापदंडो के अनुरूप है।
09	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के लिए शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है ?	शिक्षकों की संख्या मापदंडों के अनुरूप है, एवं छात्रों की संख्या के अनुसार है।
10	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम के लिए परिनियम/अध्यादेश का अनुमोदन प्राप्त किया गया है? यदि हां, तो उसका विवरण।	परिनियम एवं अध्यादेश विधिवत् अनुमोदित है एवं माननीय आयोग को प्रेषित किया जा चुका है। विश्वविद्यालय के परिनियम के आधार पर निम्न ईकाइयों का गठन किया गया है, जिसमें अंतर्गत शासी निकाय, प्रबंध मंडल एवं अकादमिक कांऊसिल का गठन किया

		गया है, जिसमें प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर पाठ्यक्रमों में परिवर्तन कर अपग्रेड किया जाता है, तथा उच्च कोटि के लैब, लाईब्रेरी का निर्माण पाठ्यक्रमानुसार किया गया है। प्रबंध मंडल द्वारा समय–समय पर शोध कार्य हेतु सेमीनार, वर्कशाप एवं फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी किया जाता है।
11	क्या विनियामक आयोग/शासन के द्वारा निजी क्षेत्र विश्वविद्यालय का निरीक्षण किया गया है? यदि हां, तो निरीक्षण में पाई गई कमियां तथा कमियों को दूर करने के लिये विश्वविद्यालय को दिये गये निर्देश, क्या विश्वविद्यालय द्वारा शासन/विनियामक आयोग के निर्देशों का पालन किया गया है?	हॉ, माननीय आयोग के द्वारा विश्वविद्यालय का निरीक्षण दिनांक 07.01.2014 को किया गया था। माननीय आयोग के निर्देशों का पालन नियमानुसार किया जा रहा है।
12	विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति पर संक्षिप्त प्रतिवेदन।	विश्वविद्यालय द्वारा समस्त पाठ्यक्रमों में प्रवेश नियमानुसार एवं अध्यादेशों के अनुरूप प्रवेशित छात्र–छात्राओं द्वारा दी गई शुल्क द्वारा विश्वविद्यालय में अलग–अलग विभागों के लिये भवन, प्रयोशालाओं का निर्माण एवं उच्च कोटि के आधुनिक उपकरणों का क्रय, समस्त विभाग के अधिकारीगण, शिक्षणगण एवं कर्मचारियों के लिये फर्नीचर, ग्रंथालय में विभागानुसार पुस्तकों का क्रय एवं ग्रंथालय में छात्र–छात्राओं के लिये अध्ययन करने के लिये उच्च कोटि की व्यवस्था मापदण्डों के अनुरूप, आवागमन साधन एवं अन्य सुविधाओं की पूर्ति की जा रही है। वर्तमान में विश्वविद्यालय द्वारा युनियन बैंक ऑफ इंडिया द्वारा भी ऋण लिया गया है, विश्वविद्यालय की पितृ संस्था द्वारा भी विश्वविद्यालय को समय–समय पर आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाता है। विश्वविद्यालय की वित्तीय स्थिति नियमानुसार नियमित रूप से है।
13	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए, लिये	छात्रों से विभिन्न पाठ्यक्रमों के लिए,

	जाने वाले शुल्क की जानकारी।	लिये जाने वाले शुल्क की जानकारी पूर्व में प्रेषित की जा चुकी है।
14	क्या शिक्षण शुल्क के अतिरिक्त अन्य शुल्क विद्यार्थियों से लिये जाते हैं? यदि हां तो उसका औचित्य।	अध्यादेशों के अनुकूल ही शुल्क लिया जाता है, अतिरिक्त शुल्क का कोई प्रावधान नहीं है।
15	क्या विश्वविद्यालय द्वारा संचालित पाठ्यक्रम यूजीसी, एआईसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के मार्गदर्शक बिन्दुओं के अनुरूप हैं?	विश्वविद्यालय के समस्त पाठ्यक्रम यूजीसी की सूची (22) के अनुरूप है तथा एआईसीटीई, एनसीटीई या अन्य विनियामक इकाईयों के अनुसार है एवं अनुमोदित है, जिसका निरीक्षण संबंधित इकाईयों द्वारा तथा आयोग द्वारा किया जा चुका है।
16	विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न गतिविधियां।	– डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय ने प्रदेश में पहली बार कला, कलाकारों, संस्कृति और सृजन का अनोखा समागम का आयोजन किया। इसमें देश की नामचीन हस्तियों ने शिरकत की। 3 दिवसीय आयोजन में साहित्य जगत, फिल्मी दुनिया, रंग मंच और गीत संगीत सहित अनेक क्षेत्रों के प्रसिद्व व्यक्तियों ने अपने जीवन की सफलता का गुर बतायें और अपने अनुभव साझा किये। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय एवं नवभारत की ओर से छत्तीसगढ़ लघु एवं सहायक उद्योग संघ द्वारा राष्ट्रीय उद्योग एवं व्यापार मेला के अवसर पर स्कूली छात्र–छात्राओं के लिये साईंस माडकल एक्जीबिशन का आयोजन किया गया, जिसमें स्कूली छात्र–छात्राओं के द्वारा साईंस के विभिन्न विधाओं पर आधारित माडल का प्रदर्शन किया गया। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में एक सप्ताह का एक्वायरिंग एकेडमिक स्किल एंड रिसर्च विषय पर फेकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम

			आयोजित किया गया था। 7 दिनों तक चले इस एफडीपी में सीवीआरयू के प्राध्यापकों को टीचिंग मैथड, प्रेजेंटेशन, अध्यापन, नये विषय, रिसर्च, शोधपत्र लेखन, पेटेंट, क्लास रूम मैनेंजमेंट, स्किल डेवलपमेंट सहित अनेक विषयों की जानकारी दी गई। प्रोग्राम में नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्निकल टीचर्स ट्रेनिंग एंड रिसर्च भोपाल व देश के कई विश्वविद्यालयों के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने सीवीआरयू के प्राध्यापकों को विस्तार से जानकारी दी। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में संसाधन एवं प्रादेशिक विकास विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दो दिवसीय इस संगोष्ठी में देश भर के भूगोलविदों ने भारत के साथ छत्तीसगढ़ के प्राकृतिक व अन्य संसाधनों पर सभी दृष्टिकोण से अपने विचार रखें। – डॉ. सी. वी. रामन् विश्वविद्यालय में वार्षिक खेलकूद का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने सभी प्रतियोगिता में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। आउट डोर व इनडोर खेल में विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों ने अपने जौहर दिखाये। इस दौरान सभी विभागों के विद्यार्थियों ने एकल और सामूहिक खेल में भाग लिया और अपनी प्रतिभा दिखाई। – सत्र 2017–18 शैक्षणिक गतिविधियॉं एवं प्रशासनिक गतिविधियों को सुचारू रूप से संचालित करना। नवीन पाठ्यक्रमों के अनुरूप

			संसाधनों का निर्माण करना।
17	विश्वविद्यालय के संचालन में आने वाली प्रशासनिक, अकाद्मिक एवं अन्य कठिनाईयों की जानकारी।	–	GAD के Circular में अभी तक विश्वविद्यालय का नाम समस्त विश्वविद्यालयों की सूची में शामिल नहीं किया गया है।

कुलसचिव